(b) (a)
VRS8

दृष्टि The Vision

निबन्ध (ESSAY)

DTVF/17–ESY-E3

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

नाम (Name): SAKSHI GARG

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date):

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Sakshi Garg

86

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू०सी०ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहियें।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा गया कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड A और B में प्रत्येक से एक-एक चुनकर, दो निबंध लिखिये जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों में हो: 125×2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Sections A and B, in about 1000–1200 words each: 125×2 = 250

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड–A / SECTION –A

1. समन्वित प्रयत्नों से हम देश को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कर सकते हैं, जबकि एकता का अभाव हमारे समक्ष नई आपदाओं को उजागर करेगा।
   By common endeavor we can raise the country to a new greatness, while a lack of unity will expose us to fresh calamities.
2. कम नकद तथा नकदरहित अर्थव्यवस्था।
   Less cash and cashless economy.
3. यदि आप एक वर्षीय समाधान चाहते हैं तो बीज बोएँ, यदि पाँच वर्षीय समाधान चाहते हैं तो वृक्ष लगाएँ लेकिन यदि आप पीढ़ीगत समाधान चाहते हैं तो नारी को शिक्षा प्रदान करें।
   If you want to plan for a year sow a seed, if you want to plan for five year plant a tree but if you want to plan for a generation educate women.
4. विज्ञान की सीमाएँ जहाँ समाप्त होती हैं अध्यात्म की शुरुआत वहीं से होती है।
   Spirituality begins where science ends.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

SECTION-A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. यदि आप एक वर्षीय समाधान चाहते हैं तो बीज बोएं यदि पांच वर्षीय समाधान चाहते हैं तो वृक्ष लगाएं पर यदि आप पीढ़ीगत समाधान चाहते हैं तो नारी को शिक्षा प्रदान करें।

"एक पुरुष को पढ़ाने से एक व्यक्ति शिक्षित होता है पर एक स्त्री को पढ़ाने से पूरा परिवार शिक्षित होता है।"

'स्वामी विवेकानन्द'

वस्तुतः स्वामी विवेकानन्द का यह कथन नारी शिक्षा को समर्पित है और इसकी प्रासंगिकता को चरितार्थ करता है।

हमारे देश में समय-समय पर नारी शिक्षा बुद्धिजीवियों के बीच वाद-विवाद का विषय रहती है। सदैव महिला शिक्षा पर सरकार द्वारा, समाज द्वारा, विद्वानों द्वारा बल दिया जाता है, चिन्ता जाहिर की जाती है, ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है- क्या नारी शिक्षा में इतना बल है कि वह एक वर्षीय, पंचवर्षीय नहीं अपितु पीढ़ीगत समाधान कर सकती है?

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस प्रश्न का उत्तर देने हेतु हमें प्राचीन इतिहास संस्कृति, लेखों से प्राप्त उद्धाहरण का सहारा लेना प्रासंगिक होगा।

यदि हड़प्पा सभ्यता पर विचार करें तो मातृसत्तात्मक समाज था, नारी स्थिति अच्छी थी और यह सभ्यता सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक व पर्यावरणीय दृष्टि से अति उन्नत थी।

विभिन्न कालों में महिलाओं के योगदान को उदाहरणों के साथ और स्पष्ट करें

आगे वैदिक समाज में देखें तो गार्गी, अपाला जैसी विदुषी कन्याओं का प्रसंग प्राप्त होता है और सामाजिक दशा पर विचार करें तो, पितृसत्तात्मक समाज होने के बावजूद सती प्रथा, बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं का अभाव था व कन्या को कभी भी दुःख का कारण नहीं माना जाता था।

स्वतंत्रता प्राप्ति में महिलाओं का योगदान

कालान्तर में उत्तर वैदिक काल में महिला स्थिति क्षतित हुई, उसे शिक्षा के अधिकार से वंचित कर दिया गया। और इसी सामाजिक अराजकता के विरोध में उपनिषद, जैन धर्म, बौद्ध धर्म का उदय हुआ।

आगे मौर्य काल में भी विदुषी कन्याओं का वर्णन मिलता और सम्पन्नता व वैभव का भी परन्तु

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जैसे- जैसे हम मौर्योत्तर, गुप्त व गुप्तोत्तर काल की ओर बढ़ते हैं महिला स्थिति पतित होती प्रतीत होती है, महिलाओं को शिक्षा जैसे बहुमूल्य अधिकार से वंचित कर दिया गया जिसके परिणामस्वरूप समाज कई समस्याओं से घिर गया, आर्थिक विकास बाधित हो गया और पूरी की पूरी सभ्यता का ही पतन हो गया।

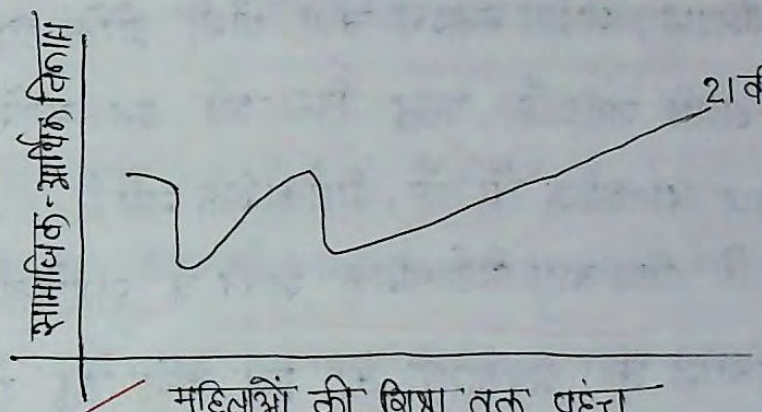

उपरोक्त विश्लेषण व ग्राफ से यह तो स्पष्ट है कि महिला शिक्षा व सामाजिक-आर्थिक समस्या समाधान के बीच समानुपाती सम्बन्ध है।

इस प्रकरण को वर्तमान भारतीय समाज व भारत सरकार के प्रयासों, परिणामों के संदर्भ में देखे तो सरकार द्वारा किये जा रहे समाधान पर्याप्त

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रतीत होते हैं। उदाहरणस्वरूप - वर्तमान व्याप्त समस्याओं के समाधान हेतु इंदिरा गांधी मातृत्व सुरक्षा योजना, मां कार्यक्रम, एकीकृत बाल विकास कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम, दहेज प्रथा (निषेध) कानून, घरेलू हिंसा निवारण कानून, आर्थिक विकास हेतु उड़ान योजना, स्टार्ट अप, स्टैंड अप अभियान, निर्मल भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा जैसी अनेकों अनेक योजनाएं लायी गयी हैं, परन्तु फिर भी इन प्रयासों के परिणाम तात्कालिक तो हैं, दीर्घकालिक नहीं।

एक शिक्षित महिला के महत्व को और स्पष्ट करें

तो फिर क्या दीर्घकालिक, सतत व समावेशी सतत विकास की अवधारणा को पूरा करने हेतु हमें महिला शिक्षा पर ध्यान देना होगा?

विकास में योगदान को स्पष्ट करें

इस प्रश्न के उत्तर हेतु महिला प्रासंगिकता को सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, प्रशासनिक, वैधानिक, पर्यावरणीय हर परिप्रेक्ष्य में देखना होगा।

समाजिक परिप्रेक्ष्य में विचार करें तो एक शिक्षित महिला बाल विवाह, सती प्रथा, विधवा पुनर्विवाह निषेध जैसी अतार्किक रूढ़ियों को तार्किकता के आधार

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

पर परखेगी और अतार्किक पाए जाने पर स्वयं इसका तिरस्कार कर देगी। समाज में देखा गया है महिला ही महिला के विरुद्ध इस तरह के अत्याचार करती है, उदाहरणस्वरूप → वधू को पुत्र न होने पर उसे अक्षम, कुंठा करार दिया जाता है, जबकि शिक्षित महिला ऐसा नहीं करेगी।

पढ़ी लिखी महिला विषाणु, कीटाणु आदि के संक्रमण को समझते हुए अत्यधिक सतर्क रहेगी, उसके द्वारा स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा जिससे एक और स्वच्छ भारत अभियान की संकल्पना सत्य होगी दूसरी ओर डायरिया, मलेरिया, डेंगू जैसी बिमारियों से निजात मिलेगी।

परिवार के विकास के संदर्भ में

शिक्षित महिला द्वारा सही समयान्तराल पर गर्भाधान का ध्यान रखा जाएगा, सही खुराक, स्तनपान, टीकाकरण आदि के परिप्रेक्ष्य में सतर्क रहने से मातृत्व मृत्यु दर, नवजात मृत्यु दर, कुपोषण, पोलियो जैसी समस्या कम हो जाएंगी। ऐसे में जननी सुरक्षा योजना, दो बूंद जिन्दगी की, मां, कायाकल्प जैसे लघुकालिक कार्यक्रमों की आवश्यकता नहीं होगी।

स्वास्थ्य जागरूकता, जनसंख्या के संदर्भ में

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आर्थिक परिप्रेक्ष्य में देखें शिक्षित महिला स्वयं अपनी आजीविका कमाकर आर्थिक रूप से स्व आत्मनिर्भर व सशक्तीकृत होगी। अपने साथ-साथ देश के विकास में योगदान देगी। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा संस्था की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था में महिला सहभागिता से सकल घरेलू उत्पाद में 27% की वृद्धि की जा सकती है।

प्रशासन में महिला की सहभागिता बढ़ेगी। महिला सहभागिता से प्रशासन में करुणा, संवेदना, शालीनता, दया, सहनशीलता, दूरदर्शिता आदि नारीत्व गुणों का समावेश होगा। गांधी जी ने कहा था- 'जिस समाज में नारीत्व के गुणों का समावेश हो तथा उसे आगे बढ़ने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती।

ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के अभाव को और स्पष्ट करें

पंचायत में आज महिला आरक्षण से भागीदारी तो बढ़ी है परन्तु वे अभी भी पति के पीछे से कार्य करती है, शिक्षित-प्रशिक्षित महिला अपने अधिकार व कर्तव्यों को भली भांति समझ आत्मनिर्भर होकर सुशासन कर सकती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

महिला शिक्षा का एक आयाम पर्यावरण से भी जुड़ जाता है। वस्तुतः शिक्षित नारी, पर्यावरण के महत्व को तार्किक रूप से समझेगी और उसका संरक्षण करेगी, तब सरकार को उज्ज्वला जैसी योजनाओं की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी।

इस संदर्भ में नारी शिक्षा की प्रासंगिकता को समझते हुए सरकार डाल अनेकों अनेक प्रयास किए जा रहे हैं—

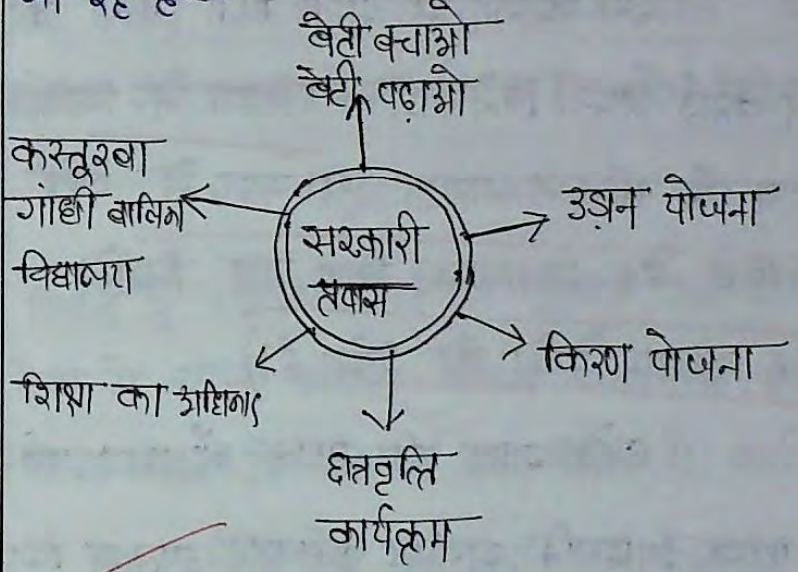

यद्यपि अभी भी इस दिशा में अनेक चुनौतियां हैं नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़ों के अनुसार प्राथमिक शिक्षा में तो इनरोलमेंट रेट 98% है परन्तु उच्च शिक्षा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तक पहुंचते पहुंचते यह अतिन्यून हो जाता है। समाज में ऐसी मनोवृत्ति बनी हुयी है कि लड़कियों को मात्र साक्षर की शिक्षा ही प्राप्त करनी चाहिए, शिक्षा पर ज्यादा निवेश करना बिल्कुल खर्ची होगा। विद्यालयों की घर से दूरी, पृथक शौचालय की अनुपस्थिति आदि भी इस परिप्रेक्ष्य में बाधक हैं जिनके समाधान की आवश्यकता है।

संबंधित चुनौतियों को और स्पष्ट करें।

इस परिप्रेक्ष्य में माता पिता, बच्चों की काउंसलिंग कराई जाए। (केस स्टडी → हरियाणा में सिविल सोसाइटी व गैर सरकारी संगठन की मदद से लोगों को नारी शिक्षा हेतु मोबलाइज किया गया, जिससे सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं।)

II. शिक्षा के साथ स्वास्थ्य और रोजगार की ओर चर्चा करें

इसके साथ ही पृथक शौचालय, पर्याप्त महिला शिक्षक उपस्थिति, सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उच्च शिक्षा संस्थानों में भी अनुपात संतोषजनक रखने हेतु लड़कियों को कुछ इन्सेन्टिव्स प्रदान किए जाए जाने चाहिए। (केस स्टडी - बिहार

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में उच्च प्राथमिक शिक्षा पूरी कर चुकी लड़कियों को साइकिल प्रदान की गयी ताकि वे पोड़ी दूरी पर स्थित उच्च विद्यालय तक सुलभता से पहुंच सके और परिणामस्वरूप उच्च शिक्षा में लड़कियों की भागीदारी में उत्थान देखा गया)

इसके अलावा पाठ्यक्रम में किरण बेदी, चंदा कोचर जैसी सफल महिलाओं की जीवनी शामिल की जानी चाहिए जिससे लड़कियां इनसे प्रभावित होकर स्वयं भी ऐसा ही बनने को प्रेरित हों।

45

वस्तुतः इस प्रकार से हम नारी शिक्षा स्थिति में ज्यादा से ज्यादा सुधार कर सकेंगें और देश में व्याप्त अनेकों अनेक समस्याओं का समाधान करना संभव हो सकेगा। इस परिप्रेक्ष्य में कार्लमार्क्स ने भी कहा - किसी देश की स्थिति का अनुमान वहां की नारी शिक्षा को देखकर भली भांति लगाया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड–B / SECTION –B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. एक राष्ट्र : एक निर्वाचन
   One nation: One election.
2. भारत में डिजिटल अंतराल : ग्राम्य रूपांतरण में अवरोध
   Digital divide in India: A roadblock to rural transformation.
3. कायांतरित भारत : नवीन भारत
   Transforming India: New India.
4. निष्ठावान पड़ोसी दूरस्थ रिश्तेदार से उत्कृष्ट है।
   A close neighbour is better than distant relative.

3. कायांतरित भारत : नवीन भारत

मेरा देश! मेरा गौरव!, मेरा भारत!
पल-पल में बदल रहा है,
कहीं झुक रहा है, तो कहीं उठ रहा है,
यह कब स्थिर था जो अब स्थिर रहेगा
अब तो यह और तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वस्तुतः आजकल टीवी, समाचार, सोशल मीडिया, रेडियो, पर सर्वाधिक सुनाई जाने वाली गूंज है– कायांतरित भारत, नवीन भारत। निःसन्देह हमारा देश तो हमेशा से परिवर्तनशील रहा है परन्तु आज पूर्णतः रूपान्तरण कर नए भारत का निर्माण करने की संकल्पना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

मेरे मन में कौतूहल उत्पन्न करती है - आखिर हमारा नवीन देश कैसा होगा ? क्या हमारा भारत अमेरिका की तरह आधुनिकृत, विकसित होगा, जहां बड़ी बड़ी इमारतें, अपार सम्पत्ति, चमचमाती सड़कें होगी ? या फिर हमारा भारत भूटान जैसा खुशहाल होगा ? जहां पैसा तो कम पर संतोष स्तर बहुत ऊंचा है। या फिर भारत इजराइल की तरह तकनीकि युक्त मॉडल प्रस्तुत करेगा ?.....

समय के साथ भारत में हुए परिवर्तनों को संक्षेप में लिखें

आखिर कैसा होगा नवीन भारत, किस मॉडल पर आधारित होगा, क्या भारत अपना विलग मॉडल प्रस्तुत करेगा ?

इस प्रश्न का उत्तर देना इतना आसान नही है परन्तु फिर भी हम नवीन भारत के मॉडल की झलक वित्त मंत्री जी के फरवरी २०१५ में दिए गए बजट भाषण से प्राप्त कर सकते हैं। जहां मंत्री जी ने 'टेक इण्डिया' की संकल्पना प्रस्तुत की।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

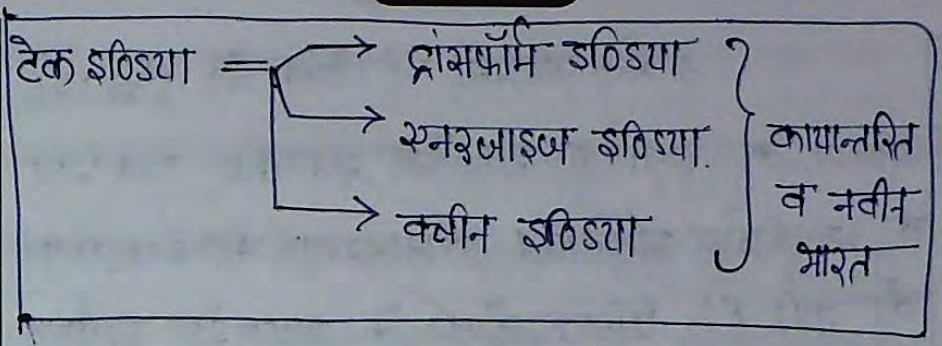

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

टेक इण्डिया → ट्रांसफॉर्म इण्डिया
→ स्नरजाइज्ड इण्डिया
→ क्लीन इण्डिया
} कायान्तरित व नवीन भारत

वस्तुतः इसी परिप्रेक्ष्य में नवीन भारत की संकल्पना तलाशनी होगी। यदि हम ट्रांसफॉर्म इण्डिया को परिभाषित करें तो यह बहुआयामी अवधारणा प्रस्तुत करता है। इसके राजनैतिक, आर्थिक, प्रशासनिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक अनेक आयाम प्रस्तुत होते हैं।

नवीन भारत की संकल्पना को और स्पष्ट करें

यदि सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो ऐसा भारत जहां महिला, दिव्यांग, ट्रांसजेण्डर सभी के लिए सम्मान हो, संवेदना हो, प्रेम हो, सुरक्षा हो। इन्हें विशेष या अलग का दर्जा न देकर समानता का दर्जा दिया जाए,

"चाहे दिव्यांग हो, चाहे ट्रांसजेण्डर हो या फिर हो नारी
न कम में न ज्यादा में ये भारत के विकास
में हैं बराबर के हकदारी ॥"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

आर्थिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो ट्रांसफार्म इण्डिया के अन्तर्गत एक देश, एक कर, विकसित व आत्मनिर्भर समावेशित अर्थव्यवस्था की संकल्पना की गयी है। डिजिटलाइजेशन के माध्यम से स्मार्ट सरकार, स्मार्ट प्रशासन, स्मार्ट जनता की संकल्पना की गयी है। देश की अर्थव्यवस्था आधुनिकता की ओर बढ़ते हुए कैश व कैशलेस होगी।

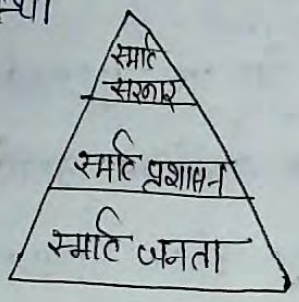

समावेशी प्रयासों की चर्चा करें

यदि राजनैतिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो नवीन भारत के तहत केन्द्रीकृत, अहंकारवाद आदि अवधारणाओं से ऊपर उठकर प्रतिस्पर्धी व सहकारी संघवाद की संकल्पना की गयी है। जहां देश का प्रत्येक राज्य केन्द्र के साथ मिलकर व आपस में प्रतिस्पर्धा करके विकास की ओर उन्मुख हो।

तृतीय स्तर की सरकार अर्थात् स्थानीय देश सरकार पंचायत, नगरपालिका, नगरनिगम को मजबूत बनाया जाए व नीचे से ऊपर की ओर विकास

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का मॉडल प्रस्तुत हो।

देश का प्रत्येक नागरिक आर्थिक रूप से विकसित होने के साथ-साथ नैतिक रूप से भी विकसित हो, लोगों को योगा से जोड़ा जाएगा, जिससे वे सहिष्णु, एकीकृत व स्वस्थ हों अर्थात् नवीन भारत की संकल्पना में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के साथ-साथ सकल प्रसन्नता अनुपात में वृद्धि पर जोर दिया जाएगा।

धार्मिक रूप से धर्मनिरपेक्ष भारत की कामना की गयी है, समान नागरिक संहिता व जैसे प्रणालीयों के माध्यम से देश को प्रगतिशील व आधुनिकृत बनाया जाएगा।

सीमित संसाधनों में आर्थिक लाभ को और स्पष्ट करें।

इससे आगे ई = एनरजाइज्ड इण्डिया की परिभाषा पर विचार करें तो इस परिप्रेक्ष्य में भी कई आयाम प्रस्तुत होते हैं, इसमें हमारी देश की युवा पीढ़ी को नवीन भारत निर्माण में अग्रदूत की भूमिका दी गयी है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

देश की 65% जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है और यह अनुपात विश्व में सर्वाधिक है, जहां जापान, ब्रिटेन जैसी अर्थव्यवस्थाएं बूढ़ी हो रही हैं, वहीं भारत अंधेरों के बीच दैदीप्यमान कीर्तिस्तम्भ की तरह प्रकट हो रहा है।

पर्यावरणीय चुनौतियों में भारत की भूमिका को और स्पष्ट करें

देश की युवा पीढ़ी को शिक्षित, प्रशिक्षित कर, कौशल रूप से विकासवान कर देश को अभूतपूर्व कायान्तरण की ओर बढ़ाया जा सकता है।

स्वामी विवेकानन्द जी के अनुसार- "युवाओं में असीम ऊर्जा होती है, इस ऊर्जा का प्रयोग बड़े से बड़े कायान्तरण में किया जा सकता है।" वस्तुतः हम भारत को मानव संसाधन की कैपिटल के रूप में विकसित कर सकते हैं।

हमारे देश में स्टार्ट अप, स्टैण्ड जैसी योजनाओं के माध्यम से शीघ्र ही युवा रोजगार मांगने वाले नहीं बल्कि रोजगार प्रदान करने वाले बनेंगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

टेक इण्डिया में सी = क्लीन इण्डिया से तात्पर्य है स्वच्छ, भ्रष्टाचार मुक्त भारत। भ्रष्टाचार से मुक्त भारत वास्तव में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर सकता है, काला धन, मनी लाण्ड्रिंग, जमाखोरी अपने आप में अनेकों अनेक जटिल समस्याओं को जन्म देती हैं जैसे - राजस्व हानि, तस्करी, आतंकवाद, मादक द्रव्य पदार्थ उपभोग, वैश्यावृत्ति, कुशासन, असमानता, भौतिकवाद, उपभोक्तावादी प्रवृत्ति आदि। इससे न सिर्फ ~~सामाजि~~ आर्थिक विकास अवरुद्ध होता है, अपितु सामाजिक विकास भी क्षुब्ध हो जाता है।

परन्तु कायान्तरित भारत, नवीन भारत के संकल्पना में काले धन की कोई जगह नहीं है।

न्यू इण्डिया की बात सबके चेहरे पर मुस्कान लायी है,
नयी हैं बातें, नए हैं रंग, नयी है इसमें उमंग।
नई रोशनी जो आकर अंधेरों से टकरायी है,
काले धन को भी बदलना पड़ा है अपना रंग॥

प्रभावी उदाहरणों का उल्लेख करें

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसके साथ ही स्वच्छ भारत को वास्तविकता में चरितार्थ किया जाएगा, यह हमारे बापू महात्मा गांधी को वास्तविक व अमूल्य श्रद्धांजलि के स्वरूप में अर्पित किए जाने की संकल्पना की गयी है/

इस हेतु सरकार द्वारा अनगिनत उपाय किए जा रहे हैं जैसे-

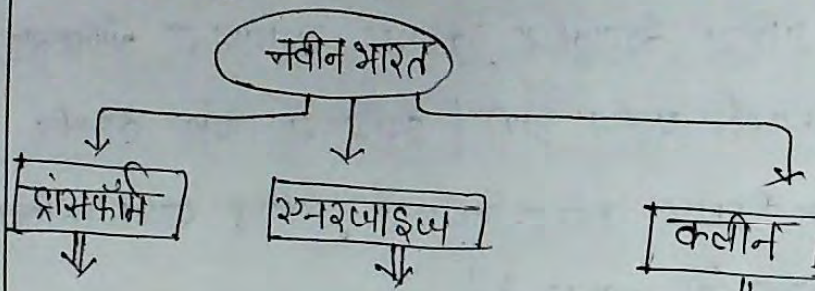

नवीन भारत

ट्रांसफॉर्म
- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ
- मेरा देश मेरा गौरव
- 2022 तक किसान आय दोगुनी का लक्ष्य
- स्मार्ट सिटी
- अमृत
- हृदय

एनरजाइज
- प्रधानमंत्री युवा सशक्तीकरण योजना
- स्टार्ट अप-स्टैंड अप
- मुद्रा योजना
- कौशल विकास कार्यक्रम
- सर्व शिक्षा अभियान
- नई स्वास्थ्य नीति

क्लीन
- निर्मल भारत अभियान
- स्वच्छ भारत अभियान
- विमुद्रीकरण
- बेनामी ट्रांजेक्शन एक्ट
- आधार कार्ड अनिवार्यता
- जैम ट्रिनिटी
- प्रोजेक्ट इनसाइट
- डिजिटलाइजेशन

एक व्यवस्थित योजना के साथ निबंध लिखें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आदि अनेक योजनाएं हैं, जिनके माध्यम से सरकार न्यू इण्डिया की संकल्पना को वास्तविक धरातल पर चरितार्थ करने का अथक प्रयास कर रही है।

परन्तु यह भी महत्वपूर्ण है कि राजनैतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक प्रतिबद्धता के साथ-साथ बड़े स्तर पर निजी क्षेत्र, गैर सरकारी संगठन, सिविल सोसाइटी व आम जनता के सहयोग की आवश्यकता है, अर्थात् 4-पी मॉडल (पब्लिक प्राइवेट पीपुल पार्टनरशिप) के आधार पर ही कायान्तरित भारत, नए भारत को वास्तविकता में प्राप्त किया जा सकेगा।

और इस प्रकार भारत विकास का एक अद्वितीय मॉडल प्रस्तुत करेगा, जो अन्य विकासशील देशों हेतु भी संकेतप्रतिमान की भांति दृष्टिगत होगा

41

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation